वार्षिक साधारण बैठक में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का भाषण

15 सितंबर, 2017

देवियो और सज्जनो, सुप्रभात,

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 65वीं वार्षिक साधारण बैठक में अपने निदेशक मंडल की ओर से सभी शेयरधारकों का स्वागत करना मेरे लिए बहुत गर्व और गौरव की बात है। आप सभी की गरिमामय उपस्थिति के लिए मैं आपके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

मुझे आपके साथ यह जानकारी साझा करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि वर्ष 2016-17 आपकी कंपनी का निष्पादन के प्रत्येक क्षेत्र में, 43 साल पहले इसकी स्थापना से लेकर आज तक का सर्वश्रेष्ठ वर्ष रहा है। एक ऐसा वर्ष जिसमें आपकी कंपनी ने आज तक का उच्चतम शुद्ध लाभ, रिफाइनिंग थ्रूपुट और बाजार बिक्री हासिल करते हुए शेयरधारकों को उच्चतम प्रतिफल प्रदत्त किया है।

किसी वित्तीय वर्ष में पहली बार करोपरांत लाभ स्टैंडअलोन आधार पर 6,000 करोड़ रुपए के आंकडे को पार करते हुए 6,209 करोड़ रूपए तथा समेकित आधार पर 8,000 करोड़ के आंकडे को पार करते हुए 8,236 करोड़ रूपए पहुंच गया है।

इस प्रभावशाली निष्पादन की पृष्ठभूमि के साथ आपकी कंपनी के निदेशक मंडल ने सितम्बर 2016 में प्रत्येक धारित इक्विटी शेयर पर दो इक्विटी शेयर के बोनस की घोषणा की थी। इसके कुछ ही दिन बाद जुलाई 2017 में प्रत्येक धारित दो इक्विटी शेयरों पर एक इक्विटी शेयर के अनुपात में बोनस दिया गया। इसका अर्थ यह है कि जिस शेयरधारक के पास सितम्बर 2016 से पहले दो इक्विटी शेयर थे और यदि वह शेयर अपने पास रखे हुए है तो उसके पास अब एचपीसीएल के 9 शेयर होगे।

वर्ष 2016-17 के दौरान आपकी कंपनी की बाजार पूंजी दोगुनी से भी अधिक बढ़कर 31 मार्च 2017 को 53,380 करोड़ रूपए हो गई है। आपको यह जानकर खुशी होगी कि 31 अगस्त 2017 को आपकी कंपनी की बाजार पूंजी लगभग 74,355 करोड़ रूपए हो गई है।

यह शानदार सफलता सभी कार्यों और व्यापार इकाइयों के समन्वित प्रयासों से हासिल की जा सकी ताकि सभी हितधारकों के महत्व को बढ़ाया जा सके। आपके निरन्तर सहयोग और विश्वास ने हमें वर्ष दर वर्ष सफलता की नई उँचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया है।

मुझे आपको यह सूचित करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि आपकी कंपनी ने वर्ष 2015-16 के लिए भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के सभी उपक्रमों के मध्य श्रेष्ठतम एमओयू अंक प्राप्त करके लगातार नौंवे वर्ष 'उत्कृष्ट' रेटिंग हासिल की है।

वर्ष के दौरान, दि. 1 नवंबर, 2016 से श्री एस जयकृष्णन और श्री विनोद एस शेणॉय की निदेशक मंडल में क्रमश: पूर्ण कालिक निदेशक (विपणन) और निदेशक (रिफाइनरीज) के रुप में नियुक्ति हुई। निदेशक मंडल में श्रीमती आसिफा खान एवं श्री जी वी कृष्णा को 13 फरवरी, 2017 से अपर निदेशक एवं गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक के रुप में नियुक्त किया गया तथा श्री टी एन सिंह को 20 मार्च, 2017 से अपर निदेशक एवं गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक के रुप में नियुक्त किया गया।

अब आपकी अनुमति से, मैं गत वर्ष आपकी कंपनी के निष्पादन की मुख्य विशेषताएं एवं हमारे भावी स्वरूप को निर्धारित करने वाली विकास योजनाओं को बताने से पहले वर्ष 2016-17 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था एवं तेल उद्योग की प्रमुख घटनाओं की संक्षिप्त जानकारी देना चाहूंगा।

<u>भारतीय अर्थव्यवस्था</u>

भारतीय अर्थ व्यवस्था ने मंहगाई एवं ब्याज की न्यून दरों तथा अच्छे मानसून के स्थायी एवं व्यापक आर्थिक परिवेश में 7.1% के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ विश्व अर्थ व्यवस्था में अपनी उज्ज्वल छवि बनाए रखी। आर्थिक विकास को गति देने तथा देश को निवेश के लिए पसंदीदा स्थल बनाने हेतु इस वर्ष के दौरान भारत सरकार द्वारा महत्वपूर्ण नियामक एवं संरचनात्मक सुधारों पर विशेष बल दिया गया है।

'वस्तु और सेवा कर' (जीएसटी) के लागू होने से कर अवरोधों को दूर करके, उच्च दक्षता द्वारा पर्याप्त वृद्धि लाभांश मिलना अपेक्षित है। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया तथा स्टार्टअप इंडिया जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने अर्थव्यवस्था को सकारात्मक रूप से प्रभावित करना प्रारंभ कर दिया है तथा ये भविष्य में विकास एवं प्रगति को गति देंगे। 'विमुद्रीकरण' की साहसिक पहल ने भी अर्थ व्यवस्था के नकद केन्द्रित भाग पर अपेक्षित प्रभाव डाला है।

भारत में परिवर्तनकारी सुधार उन्मुख सरकार, जनता के सहयोगी रूझान, निरंतर बढ़ते आकांक्षात्मक मध्यम वर्ग और प्रयोज्य आय में वृद्धि के बल पर आर्थिक विकास के मजबूत रहने की संभावना जताई गई है। तेज गति से बढ़ता हुआ शहरीकरण, विकासशील आद्यौगीकरण, आधुनिकीकरण तथा नए भारत के निर्माण से खपत बढ़ेगी तथा प्रति व्यक्त ऊर्जा की खपत के स्तर में बढ़ोत्तरी के साथ तेल की मांग बढ़ने की संभावना है।

तेल क्षेत्र में विकास

वर्ष 2016-17 पुन: कच्चे तेल की कम कीमतों का वर्ष रहा तथा कच्चे तेल और ब्रेंट की औसत कीमत 49 अमेरीकी डॉलर प्रति बैरल रही। तथापि, तेल की कीमतें पिछले 12 वर्षों में गत वर्ष के न्यूनतम स्तर से उबर कर फरवरी 2017 में 54-55 अमेरीकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई जिसमें उसके बाद पुन: गिरावट आई। वर्ष 2017-18 के दौरान ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें लगभग 45 से 55 अमेरीकी डॉलर प्रति बैरल के बीच रहने का पूर्वानुमान है।

आयात की लागत में कमी के कारण कच्चे तेल की कीमतों में कमी का भारतीय अर्थ व्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। भारत सरकार ने 2022 तक तेल की आयात निर्भरता को 10 प्रतिशत कम करने की योजना बनाई है तथा तेल एवं गैस के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने और वैकल्पिक ईंधनों का इस्तेमाल करने तथा अल्प कार्बन अर्थ व्यवस्था की ओर बढ़ने के लिए विभिन्न अभियान प्रारंभ किए हैं।

स्वच्छ रसोई गैस की पहुंच और उपलब्धता में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) प्रारंभ की गई थी जो गरीबी रेखा (बीपीएल) से नीचे की महिलाओं के जीवन में सामाजिक बदलाव लेकर आई। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 1 मई 2016 को इस योजना के शुभारंभ करने से लेकर अब तक तेल कंपनियों ने इस योजना के तहत 2.8 करोड़ कनेक्शन जारी किए हैं।

परिवहन के क्षेत्र में उत्सर्जन सघनता को कम करने के लिए भारत सरकार ने 1 अप्रैल 2017 से देश भर में बीएस IV विनिर्देशों के अनुरूप पेट्रोल और डीजल प्रारंभ किया था। कैशलेस लेन देन को प्रोत्साहन देकर भारत को कम नकद वाली अर्थव्यवस्था बनाने के लिए तकनीकी व्यवस्थाओं का लाभ लिया गया। स्वच्छ भारत अभियान ने समाज को स्वच्छ वातावरण की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

सरकार द्वारा जीवंत और नवीन भारत के निर्माण हेतु की गई पहलों ने भी विकास को प्ररित किया है। वर्ष 2016-17 के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों की खपत 5.2 प्रतिशत बढ़कर 194 मिलियन टन हो गई है। पिछली तिमाही में विकास की दर में मंदी के बावजूद, प्रमुख उत्पादों में पेट्रोल और डीजल की खपत में क्रमशः 8.8 तथा 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के सफल क्रियान्वयन के फलस्ववरूप एलपीजी ने ग्रामीण क्षेत्रों में केरोसीन तथा लकड़ी व उपलों जैसे अन्य देशी ईंधनों को प्रतिस्थापित करना प्रारंभ कर दिया है तथा इसमें 9.8 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। इसके साथ ही कुछ राज्यों द्वारा स्वेच्छा से पीडीएस केरोसीन कोटा छोड़ने से केरोसीन की खपत में 21 प्रतिशत की कमी आई है। बढ़ती आय के कारण हवाई यात्रियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है जिसके कारण सरकार ने दूसरी श्रेणी के शहरों को विमान मार्ग और कम लागत वाले विमानन से जोड़ा है जिससे विमानन ईंधन की बिक्री में 12.1 प्रतिशत का सुधार हुआ है।

राष्ट्रीय तेल कंपनियों की संयुक्त शक्ति का लाभ उठाने, स्केल निर्माण, कौशल वृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़ोत्तरी के लिए भारत सरकार का ध्यान तेल कंपनियों के मध्य तालमेल बनाने पर है। हाल ही में, भारत सरकार ने आपकी कंपनी की 51.11% की कुल चुकता इक्विटी होल्डिंग को ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) में रणनीतिक बिक्री के अपने फैसले की घोषणा की है। यह माना जाता है कि ओएनजीसी द्वारा

आपकी कंपनी में सरकार की इक्विटी का अधिग्रहण करने के बावजूद, आपकी कंपनी अपनी ब्रांड पहचान और सांस्कृतिक विशिष्टता बनाए रखते हुए सूचीबद्ध केंद्रीय सरकार का सार्वजनिक उपक्रम (सीपीएसई) बनी रहेगी।

सरकार नई प्रौद्योगिकी लाने, तेल एवं गैस के उत्पादन के लिए एक जीवंत और निवेशक हितैषी अपस्ट्रीम सेक्टर बनाने, भारत को रिफाइनिंग और पेट्रोरसायन हब बनाने, एक राष्ट्रीय प्राकृतिक गैस ग्रिड बनाने, बाजार निर्धारित कीमतों की ओर जाने, लागत कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का सहारा लेने, नवाचार भुगतान समाधान प्रारंभ करने तथा देश को अल्प कार्बन अर्थ व्यवस्था में बदलने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है।

<u>एचपीसीएल का निष्पादन</u>

मुझे आपकी कंपनी के वित्तीय वर्ष 2016-217 के भौतिक और वित्तीय निष्पादन का विवरण प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष और गर्व का अनुभव हो रहा है। जैसा कि मैंने पहले कहा है, आपकी कंपनी का अपनी स्थापना से लेकर आज तक का, प्रत्येक क्षेत्र में श्रेष्ठतम निष्पादन है। उत्कृष्टता की अपनी यात्रा में, वर्ष 2016-17 में आपकी कंपनी एक नए शिखर पर पहुंच गई है।

वित्तीय

आपकी कंपनी ने 2016-17 के दौरान 2,13,489 करोड़ रुपए की सकल बिक्री दर्ज़ की है तथा अब तक के सर्वाधिक कर पश्चात लाभ के रूप में 6,209 करोड़ रुपये अर्जित की है जो कि पिछले वर्ष हासिल किए तब तक के सर्वाधिक लाभ 3,726 करोड़ रुपये से 67% अधिक है। आपकी कंपनी 384 रैंक के साथ फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनी बनी हुई है और प्लेट्स शीर्ष 250 वैश्विक ऊर्जा कंपनियों की सूंची में 48वें स्थान पर है।

उत्कृष्ट वित्तीय निष्पादन के चलते प्रति शेयर अर्जन 2015-16 के 36.68 रुपये से बढ़कर 2016-17 में 61.12 रुपये हो चुका है।

आपकी कंपनी ने वर्ष 2016-17 के लिए प्रति शेयर 30.00 रु. (एक्स बोनस) लाभांश घोषित/प्रस्तावित किया है और वर्ष में दो बार बोनस शेयर जारी किया है, जिनका विवरण मैं पहले ही साझा कर चुका हूँ।

ऋण 21,250 करोड़ रुपये के साथ न्यून बना रहा जो कि मुख्यतः कच्चे तेल के कम दामों की वजह से था एवं अल्पकालिक था। फलस्वरूप दीर्घ अवधि ऋण एवं इक्विटि का अनुपात गत वर्ष के 0.96 :1 से घटकर 31 मार्च 2017 तक 0.51:1 हो गया।

हाल ही में जुलाई 2017 के महीने में, आपकी कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय बॉन्ड बाजार में पहला विदेशी मुद्रा बांड जारी कर अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराई। मुझे यह बताने में गर्व महसूस हो रहा है कि 500 मिलियन अमरीकी डालर की आवश्यकता के मुकाबले 3 अरब अमरीकी डालर से अधिक की पेशकश को प्राप्त कर इस बॉन्ड ने आशा

से अधिक ध्यान आकर्षित किया। यह भारतीय तेल एवं गैस सैक्टर के द्वारा 10 वर्ष के यूएस $ बॉन्ड के लिए जारी की गई सबसे सस्ती सार्वजनिक मुद्रा बॉन्ड है तथा अंतर्राष्ट्रीय बॉन्ड बाज़ार में पिछले दशक में किसी भारतीय कॉर्पोरेट के द्वारा 10 वर्ष के लिए अदा की गई सबसे कम राशि है। इस बॉन्ड की भारी सफलता आपकी कंपनी की अंतर्निहित वित्तीय शक्ति और उसमें निवेशक समुदाय का विश्वास दर्शाती है।

2016-17 के परिणामों ने हमें अपने भविष्य के लिए और महत्वाकांक्षी बना दिया है, और निष्पादन की इस गति को जारी रखने का आत्मविश्वास दिया है। 2017-18 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम निष्पादन उत्कृष्टता की ओर हमारे लगातार प्रयासों का प्रमाण हैं।

भौतिक

मुंबई और विशाख दोनों रिफाइनरियों ने उच्चतम क्रूड प्रोसेसिंग के साथ संयुक्त रूप से अब तक के सर्वाधिक 17.81 मिलियन टन थ्रुपूट को 113% की क्षमता उपयोग के साथ हासिल किया है। आपकी कंपनी की रिफाइनरियों ने 2016-17 के दौरान प्रति बैरल 6.20 $ का सकल रिफाइनिंग लाभ हासिल किया है।

रिफाइनरियों ने न्यूनतम विशिष्ट ऊर्जा खपत के साथ पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, बिटूमेन एवं ल्यूब बेस स्टॉक का अब तक का सर्वाधिक उत्पादन किया है। दोनों रिफाइनरियों ने पेट्रोल और डीजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किए एवं साथ ही साथ बुनियादी सुविधाओं का उन्नयन करना भी जारी रखा तथा 1 अप्रैल 2017 से बीएस IV विनिर्देशों के अनुरूप पेट्रोल और डीजल की सफलतापूर्वक आपूर्ति की।

आपकी कंपनी ने 2.9% की बिक्री वृद्धि के साथ 35.2 मिलियन टन की अब तक उच्चतम बिक्री प्राप्त करके बिक्री प्रदर्शन में भी उत्कृष्टता हासिल की।

ईंधन रिटेल बाजार में बढ़ती तीव्र प्रतिस्पर्धा के बावजूद रिटेल बिक्री में आपकी कंपनी ने 22.8 मिलियन टन की कुल बिक्री मात्रा और कुल मोटर ईंधन में 1.3% की वृद्धि के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विभिन्न ग्राहक केंद्रित पहल ने कुल मोटर ईंधन की बिक्री बढ़ाने में सहायता की। मुझे यह बताते हुये अत्यंत खुशी हो रही है कि एचपीसीएल ने प्रीमियम वर्ग के लिए 99 ऑक्टेन रेटिंग पेट्रोल लाँच किया है जो ब्रांडेड पेट्रोल की बिक्री को बढ़ावा देगा।

एलपीजी बिक्री में आपकी कंपनी ने 5.63 मिलियन टन की अब तक की अधिकतम बिक्री एवं 11.1% की द्विअंकीय वृद्धि के साथ अपना दूसरा स्थान कायम रखा है। आपकी कंपनी 46% बाज़ार हिस्सेदारी के साथ गैर-घरेलू थोक एलपीजी अनुभाग में लगातार शीर्ष पर बनी हुई है। गत वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने 87 लाख नए एलपीजी कनेक्शन जारी किए जिनमें से 53 लाख कनेक्शन पीएमयूवाई के लाभार्थियों को जारी किए गए। अब तक पीएमयूवाई के अंतर्गत आपकी कंपनी के द्वारा बीपीएल परिवारों को 75 लाख से ज़्यादा एलपीजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं।

प्रतिस्पर्धी ल्यूब्रिकेंट वर्ग में आपकी कंपनी लगातार चौथे वर्ष भारत की सबसे बड़ी ल्यूब विपणनकर्ता बनी हुई है। वर्ष के दौरान, बाजार और एमएसएमई क्षेत्र में उपस्थिति बढ़ाने के लिए चैनल भागीदारों को नियुक्त करने के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया हुई जिससे कुल ल्यूब्रिकेंट बिक्री 9.5% वृद्धि के साथ 607 टीएमटी तक बढ़ाने में मदद मिली।

ईंधन तेल, उपभोक्ता डीजल और बिटुमेन के केन्द्रित उत्पादों में मात्रा को अधिकतम करने पर ध्यान देने की रणनीति ने आपकी कंपनी को उद्योग की वृद्धि से अधिक निष्पादन करने तथा लगातार दूसरे वर्ष एक ही वर्ष में तीनों उत्पादों में 1 मिलियन टन से अधिक बिक्री हासिल करने में सहायता की तथा औद्योगिक एवं उपभोक्ता बिक्री को 5.4% के साथ 5.51 एमएमटी तक बढ़ाने में सहायता की।

तेजी से बढ़ते विमानन ईंधन क्षेत्र में, आपकी कंपनी ने 13.4% की वृद्धि के साथ 691 टीएमटी की बिक्री मात्रा दर्ज की। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपकी कंपनी देश की सूचीबद्ध घरेलू विमानन सेवाओं में से अधिकतर को जेट ईंधन की आपूर्ति कर रही है।

परिचालन एवं वितरण टीम ने गुणवत्ता, समय-सीमा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उत्पाद देश भर के विभिन्न मांग केन्द्रों तक पहुंचाने के लिए पाइपलाइन, टर्मिनल एवं डिपो की आपूर्ति श्रृंखला के नेटवर्क का प्रभावी एवं कुशल प्रबंधन किया है जिसने आपकी कंपनी की बिक्री मात्रा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष के दौरान आपकी कंपनी के वितरण नेटवर्क ने विभिन्न उत्पादकता बढ़ोत्तरी पहल के जरिये कम परिचालन व्यय के साथ 47 एमएमटी से अधिक पेट्रोलियम उत्पादों का प्रचालन किया है।

इथनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम (ईबीपी) पर सरकार के निर्देशों के तहत, आपकी कंपनी ने 2016-17 में 3.5% का इथनॉल सम्मिश्रण अनुपात हासिल किया और वर्ष के दौरान 773 रिटेल आउटलेटों के माध्यम से 210 हजार किलो लीटर की जैव ईंधन मिश्रित डीजल बिक्री दर्ज की है।

आपकी कंपनी लागत कुशलता, कार्बन पदचिह्न में कमी और अधिकतम सुरक्षा सहित उत्पाद वितरण में कई लाभ हासिल करने के लिए अपने पाइपलाईन नेटवर्क का प्रभावी रूप से उपयोग कर रही है। वर्ष के दौरान 17.9 मिलियन टन, अब तक का सर्वोच्च पाइपलाईन थ्रुपूट हासिल किया गया जिससे परिवहन लागत को अनुकूलित करने में मदद मिली। रेवाड़ी कानपुर पाइपलाईन, भारत की पहली क्रॉसकंट्री पाइपलाईन है जिसे पियाइडियस (पाइपलाईन इंटूजन डेटेक्शन सिस्टम) के द्वार संरक्षित किया गया है I

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में, आपकी कंपनी ने महाराष्ट्र और राजस्थान में स्थापित अपनी विंड फार्म परियोजनाओं से 96.2 मिलियन किलोवाट पवन ऊर्जा का उत्पादन हासिल किया है। इसके अलावा, वर्ष 2016-17 के दौरान कुल 21,648 नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) अर्जित किए गए।

ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा प्रदान करने और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, तेल कंपनियों के साथ मिलकर आपकी कंपनी ने विशाखापत्तनम में "इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी (आईआईपीई)" की स्थापना की है । कौशल भारत की पहल के अनुसार आंध्र प्रदेश में बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण देने और अपने व्यावसायिक कौशल बढ़ाने के लिए "कौशल विकास संस्थान (एसडीआई)" स्थापित किया गया था। स्टार्टअप इंडिया की पहल का समर्थन करने के लिए, आपकी कंपनी ने 'एचपी स्टार्टअप' योजना प्रारम्भ की है।

अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण में सहयोग देने के लिए, आपकी कंपनी ने व्यावसायिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में सक्रिय उपाय किए हैं। विभिन्न मोबाइल वालेटों और ऑनलाइन भुगतान प्लेटफॉर्म के माध्यम से रिटेल आउटलेट्स पर नकदरहित भुगतान सुविधा जैसी विभिन्न ई-पहल, 4.3 करोड़ एलपीजी उपभोक्ताओं के सदस्यता वाउचर का डिजी-लॉकर प्लेटफॉर्म पर अंतरण, एलपीजी रिफिल के लिए ऑन-लाइन और नकदरहित भुगतान सुविधाएं लागू की गई हैं।

प्राकृतिक गैस की नई व्यापारिक परिधि में उपस्थिति दर्ज़ करने के लिए, आपकी कंपनी ने आधिकारिक पूल प्रबंधन समिति (ईपीएमसी) के साथ पंजीकरण किया है जिससे आपकी कंपनी भारत में उर्वरक उद्योग को आरएलएनजी की आपूर्ति कर पाएगी।

व्यवसाय के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के परिणामस्वरूप आपकी कंपनी को वर्ष के दौरान कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इनमें - फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (फीपि) द्वारा वर्ष 2016 की “तेल और गैस विपणन कंपनी" और "जिम्मेदारी से बढ़ता हुआ कॉर्पोरेट" पुरस्कार, “पर्यावरण उत्कृष्टता और संधारणीय विकास” तथा “सर्वश्रेष्ठ महिला समर्थ कंपनी” के लिए स्कोप मेरिटोरियस पुरस्कार" और “निगम सामाजिक दायित्व हेतु” प्लैट्स ग्लोबल एनर्जी अवार्ड 2016" पुरस्कार शामिल हैं।

आपकी कंपनी के सभी परिचालनगत सहायिकी और संयुक्त उद्यमों ने अपने संबंधित व्यवसाय क्षेत्रों में सशक्त भौतिक और वित्तीय विकास हासिल किया, जिसके परिणामस्वरूप एचपीसीएल को पिछले वर्ष की तुलना में 76.2% की वृद्धि सहित 8,236 करोड़ रुपये का सबसे अधिक समेकित शुद्ध लाभ हुआ।

वर्ष के दौरान पूरी की गयी परियोजनाएं

वृद्धि प्राप्त करने और बढ़ती ईंधन की मांग को पूरा करने के लिए, आपकी कंपनी तेल एवं गैस मूल्य श्रृंखला के बुनियादी ढांचे में रणनीतिक निवेश कर रही है।

मुझे यह बताते हुये प्रसन्नता हो रही है कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने दिसंबर 2016 में कानपुर में रिसीविंग टर्मिनल के साथ 443 कि.मी. लंबी नयी रेवाड़ी-कानपुर पाइपलाइन देश को समर्पित किया।

355 किलोमीटर लंबी मैंगलोर-हासन-मैसूर-येदीयूर एलपीजी पाइपलाइन की कमीशनिंग एक अन्य महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनी। यह आपकी कंपनी द्वारा कमीशन की गई पहली एलपीजी पाइपलाइन है जो दक्षिणी भारत में बढ़ती एलपीजी मांग को पूरा करने और पर्यावरण अनुकूल तरीके से परिवहन लागत को कम करने में मदद करेगी।

बेंगलुरू में 395 करोड़ की लागत से निर्मित अत्याधुनिक हरित अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एचपीजीआरडीसी) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा 14 अक्टूबर 2016 को देश को समर्पित किया गया। अनुसंधान एवं विकास केंद्र आपकी कंपनी को नवीन प्रौद्योगिकियों और उत्पादों के विकास के जरिए मूल्य सृजन में मदद करेगा । एचपीजीआरडीसी ने 2016-17 के दौरान 13 भारतीय और अंतरराष्ट्रीय पेटेंट दायर किए हैं जिससे एचपीसीएल द्वारा अब तक दर्ज किए गए कुल पेटेंटों की संख्या 68 हो गयी है।

मुंबई और विशाख रिफाइनरियों में टर्नअराउंड की गतिविधियां ससमय पूरी हुईं, जिससे थ्रूपुट और परिणामस्वरूप जीआरएम को अधिकतम करने में मदद मिली। सल्फर उत्सर्जन को कम करने के हमारे प्रयास में, विशाख रिफाइनरी में टेल गैस ट्रीटिंग यूनिट (टीजीटीयू) कमीशन किया गया और मुंबई रिफाइनरी में यह यांत्रिक रूप से पूरा किया गया।

उत्तर प्रदेश के मुगलसराय डिपो में नई टैंक वैगन डिकैन्टेशन सुविधा शुरू करने और महाराष्ट्र के मनमाड डिपो में नई टैंक ट्रक गैंट्री कमीशन करने के साथ पीओएल आपूर्ति बुनियादी ढांचे में वृद्धि की गयी।

भोपाल में 60 टीएमटीपीए क्षमता के नए एलपीजी भराई संयंत्र की कमीशनिंग के साथ एलपीजी संरचना को मजबूत किया गया। अजमेर, , लोनी एवं पटना एलपीजी संयंत्रों में भंडारण और बॉटलिंग क्षमता विस्तार परियोजनाएं पूरी की गईं जिससे कुल स्थापित एलपीजी बॉटलिंग क्षमता 4.4 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष तक पहुंच गई है।

भारत सरकार द्वारा शुरू की गई क्षेत्रीय संपर्क योजना का लाभ उठाने के लिए, देहरादून, जयपुर, पुणे और विजयवाड़ा में विमानन ईंधन सुविधाएं स्थापित की गईं और एटीएफ पाइपलाइन को हुक अप प्रदान करके बेंगलुरु हवाई अड्डे की आपूर्ति में वृद्धि की गयी।

अल्प कार्बन अर्थव्यवस्था के विज़न से संरेखित होने की दृष्टि से राजस्थान में 50.5 मेगावॉट पवन ऊर्जा परियोजना शुरू की गई।

एचएसई एवं संधारणीयता

आपकी कंपनी में सुरक्षा, रणनीति का एक अनिवार्य हिस्सा है और व्यावसायिक गतिविधियों के सभी पहलुओं का एक अभिन्न अंग है।

वर्ष के दौरान हरित क्षेत्र विकास, अपशिष्ट जल रीसाइक्लिंग, वर्षा जल संचयन, एलईडी लाइटिंग, मार्केटिंग स्थानों पर सौर फोटो वोल्टिक ऊर्जा संयंत्र और रिफाइनरियों में विभिन्न ऊर्जा संरक्षण योजनाएं पूरी की गईं।

आपकी कंपनी वित्तीय वर्ष 2011-12 से वार्षिक संधारणीयता रिपोर्टों के प्रकाशन के माध्यम से अपने सामाजिक और पर्यावरणीय प्रदर्शन की रिपोर्टिंग कर रही है। 2015-16 के लिए 5वीं संधारणीयता रिपोर्ट एएए1000 आश्वासन मानक के अनुसार विधिवत प्रकाशित की गयी है।

निगम सामाजिक दायित्व

उत्कृष्टता का प्रतिमान बनने के विज़न के अनुरूप और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में सहायता के लिए, आपकी कंपनी वंचित समुदायों के विकास एवं समाज के उपेक्षित वर्ग के सशक्तिकरण के लिए निरंतरता एवं जिम्मेदारी के साथ काम कर रही है।

2016-17 के दौरान, आपकी कंपनी ने बाल कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्रों में सामुदायिक हस्तक्षेप के माध्यम से पूरे देश में 36,000 से अधिक लोगों के जीवन में खुशी लाने के लिए अपनी पहुंच विस्तारित की है।

स्वच्छ विद्यालय अभियान के तहत 2016-17 के दौरान सरकारी स्कूलों में 191 शौचालयों का निर्माण किया गया जिससे कुल शौचालयों की संख्या 15 राज्यों में 1436 तक पहुंच गई है। इसके अलावा, वर्ष के दौरान देश भर में विभिन्न स्थानों पर श्रम दान, वॉकथोन, सफाई अभियान, वृक्षारोपण और सामुदायिक जागरूकता अभियान आदि सहित कई स्वच्छ भारत गतिविधियों का आयोजन किया गया।

आंतरिक नियंत्रण एवं जोखिम प्रबंधन

व्यापार के सुचारू और कुशल संचालन के लिए आपकी कंपनी की मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाएं हैं और सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया को अपनाया गया है। जोखिम शमन की उपयुक्त योजनाओं और हस्तक्षेपों के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान, कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव, विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र, तीव्र प्रतिस्पर्धा आदि सहित विभिन्न जोखिमों की नियमित निगरानी की जाती है।

निगम अभिशासन

आपकी कंपनी उच्च निगम अभिशासन के मानकों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसने पारदर्शी, निष्पक्ष और उत्तरदायी अभिशासन पद्धतियों की संस्कृति का विकास किया है। सभी हितधारकों की मूल्य वृद्धि को बनाए रखने और हितधारक संबंधों में विश्वास को बढ़ाने पर जोर दिया जाता है।

सेबी के लिस्टिंग विनियमन में दी गई कॉर्पोरेट गवर्नेंस की आवश्यकताओं से संबंधित सभी अनिवार्य प्रावधानों का अनुपालन किया गया है।

कर्मचारी

आपकी कंपनी का दृढ़ विश्वास है कि कर्मचारी उसकी सबसे मूल्यवान संपत्ति हैं। यह विश्वास उनका सहयोग बढ़ाने, सक्षमता निर्माण एवं नेतृत्व विकास की कई पहलों से कार्यरूप में परिलक्षित होता है जिससे कर्मचारियों की सक्षमता को बढ़ाते हुए उन्हें भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जा सके।

मैं इस अवसर पर एचपी फर्स्ट की भावना से ओतप्रोत अपने सभी कर्मचारियों, यूनियनों एवं स्टाफ को उनके सक्रिय सहयोग, सुरक्षित और कुशल परिचालन तथा नई तकनीकी एवं सर्वोत्तम पद्धतियों को अपनाने के लिए उनको धन्यवाद देता हूं।

रणनीति और व्यवसाय योजनाएं

वर्ष 2016-17 के दौरान एचपीसीएल ने कई उपलब्धियां हासिल की, जो सुनियोजित रणनीतिक विकल्पों का परिणाम हैं। प्रदर्शन में हमारी निरंतर उत्कृष्टता और हमारी बढ़ती हुई वित्तीय शक्ति आपकी कंपनी की रणनीति और दिशानिर्देशों का परिणाम है।

परिचालन उत्कृष्टता तथा विकास प्राप्त करने की पहल का ब्यौरा और वर्तमान में चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का विवरण वार्षिक रिपोर्ट के प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण (एमडीए) अनुभाग में विस्तृत रूप में दिया गया है।

कुल कॉर्पोरेट प्राप्ति (एनसीआर) के उद्देश्यों को प्राप्त करते हुए एकीकृत मार्जिन प्रबंधन ने कॉर्पोरेशन के मूल्यों में वृद्धि की ओर ध्यान देना सुनिश्चित किया है।

विकास की गति को जारी रखने और अपनी कंपनी को निष्पादन आलेख में आगे रखने के लिए, वर्ष के दौरान "टी 20" नामक रणनीतिक योजना तैयार की गई थी। "टी 20" रणनीति का लक्ष्य परिचालन के मूल में सुरक्षा एवं अखंडता के विविध क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुये ग्राहकों के बीच कंपनी की छवि निखारना और उसकी लाभप्रदता में गुणात्मक वृद्धि करना है।

आपकी कंपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने, पेट्रोकेमिकल्स के लाभदायक खंड में विविधता लाने, रिफाइनिंग और मार्केटिंग के मुख्य व्यवसाय को मजबूत बनाने तथा इसके विस्तार और विकास एवं बेहतर वित्तीय निष्पादन को प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक गैस के भावी व्यवसाय में उपस्थिति बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए, आपकी कंपनी ने रिफाइनिंग क्षमता को बढ़ाने के लिए निवेश किया है। विशाख रिफाइनरी की क्षमता को 8.33 एमएमटीपीए से 15 एमएमटीपीए तक बढ़ाने के लिए 20,928/- करोड़ रुपये की लागत से लगाई जा रही विशाख रिफाइनरी आधुनिकीकरण परियोजना (वीआरएमपी) के लिए पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त हुई है। इसमें आधारभूत उन्नयन की सुविधा शामिल है जो बीएस-VI के अनुरूप मोटर ईंधन बनाने में रिफाइनरी को सक्षम करेगा। इससे रिफाइनरी की जटिलता (कॉम्पलेक्सिटी) में सुधार होगा और समग्र जीआरएम में वृद्धि होगी। मुंबई रिफाइनरी विस्तार परियोजना (एमआरईपी) के अंतर्गत 4,199/- करोड़ रुपये

की लागत से बीएस-VI ईंधन का उत्पादन करने के लिए 7.5 एमएमटीपीए से 9.5 एमएमटीपीए तक की क्षमता के साथ इसे बढ़ाया जा रहा है। दोनों परियोजनाओं के लिए परियोजना गतिविधियां अग्रसर हैं।

आपकी कंपनी ने हाल ही में, राजस्थान सरकार के साथ बाड़मेर में 9 एमएमटीपीए रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की स्थापना के लिए 43,129/- करोड़ रुपये की लागत से राजस्थान सरकार के साथ एक संशोधित समझौता ज्ञापन और संयुक्त उद्यम करार पर हस्ताक्षर किया है। इस संयुक्त उद्यम में एचपीसीएल के पास 74% हिस्सेदारी है जबकि राजस्थान सरकार के पास 26% हिस्सेदारी है। यह बुनियादी स्तर पर देश का पहला एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स होगा जो शुरूआत से ही बीएस-VI ईंधन की विशिष्टताओं को पूरा करने में सक्षम होगा।

आपकी कंपनी 25% इक्विटी भागीदारी के साथ महाराष्ट्र के पश्चिमी तट पर 60 एमएमटीपीए एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में भी भाग ले रही है। गेल (इंडिया) लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में काकीनाडा में 1.3 एमएमटीपीए पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किया गया है।

नए और आकर्षक पेट्रोकेमिकल्स कारोबार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने और भविष्य में कंपनी को पेट्रोकेमिकल विनिर्माण सुविधाओं के अलावा विशेष रूप से एक लचीले पोर्टफोलियो का विकास करने के लिए आपकी कंपनी ने पेट्रोकेमिकल्स के लिए एक विपणन समूह का गठन किया है।

नई पाइपलाइन परियोजनाओं में विशाख-विजयवाड़ा-सिकंदराबाद पाइपलाइन, मुंद्रा-दिल्ली पाइपलाइन और रमनमंडी-बहादुरगढ़ पाइपलाइन की क्षमता विस्तार शामिल हैं। पालनपुर से वडोदरा तक विस्तार लाइन, वड़ोदरा में ग्रीन फील्ड टर्मिनल और धर्मपुरी में ग्रीन फील्ड टर्मिनल के साथ विजयवाड़ा से धर्मपुरी तक की एक अन्य विस्तार लाइन भी स्वीकृत की गई है। सभी परियोजनाओं के लिए परियोजना गतिविधियों पर कार्य जारी है।

प्राकृतिक गैस व्यवसाय में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए आपकी कंपनी गुजरात के छारा में 3 प्राकृतिक गैस पाइपलाइन और 5 एमएमटीपीए एलएनजी रिगैसिफिकेशन टर्मिनल में संयुक्त उद्यम कंपनियों के माध्यम से निवेश कर रही है। बढ़ती गैस की मांग को पूरा करने के लिए आपकी कंपनी सीजीडी बिडिंग में भागीदारी के माध्यम से अपने सीजीडी नेटवर्क का विस्तार कर रही है।

आपकी कंपनी ने नवीकरणीय पोर्टफोलियो का विवेकानुसार विस्तार करने की योजना बनाई है और सामरिक निवेशों के माध्यम से अपस्ट्रीम व्यवसाय में महत्वपूर्ण अवसर हासिल किये जाएंगे।

देश में ऊर्जा की बढ़ती मांग एवं कम व्यक्तिगत खपत के आधार पर , विकास की बड़ी संभावना के साथ तेल एवं गैस क्षेत्र एक उत्साहजनक और चुनौतीपूर्ण भविष्य का सामना कर रहा है। आपकी कंपनी इस बदलते ऊर्जा मिश्रण को अपना रही है और परियोजनाओं पर अगले 5 वर्षों में 61,000/- करोड़ रुपये से अधिक केपेक्स के साथ भविष्य के कारोबारी माहौल में सभी हितधारकों के लिए मूल्य वर्द्धन हेतु अच्छी स्थिति में है।

अभिस्वीकृति

देवियो और सज्जनों, मैं अपनी बात को समाप्त करने से पहले, निदेशक मंडल की ओर से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों एवं विभागों को और विभिन्न राज्य सरकारों के मंत्रालयों को उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और सुझाव के लिए धन्यवाद देता हूं एवं भविष्य में भी उनसे निरंतर सहयोग की अपेक्षा करता हूँ। हमारे व्यवसाय के सुचारू संचालन में विभिन्न स्थानीय प्राधिकारियों से प्राप्त सहयोग के लिए भी मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं तथा मेरे साथी निदेशकगण सभी शेयरधारकों को उनके समर्थन और हमारे प्रति अपना विश्वास बनाए रखने के लिए उनका आभारी व्यक्त करते हैं। आज हमारे बीच यहां उपस्थित होने के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूँ।

मैं अपने सभी ग्राहकों, डीलरों, वितरकों और सभी व्यवसायी सहयोगियों को धन्यवाद देता हूं जो हमारे कारोबार का एक अभिन्न अंग है। मैं अपने सभी कर्मचारियों को उनके अथक प्रयासों और प्रतिबद्धताओं के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

मैं अपने पूर्व निदेशक (रिफ़ाइनरीज) श्री बी. के. नामदेव एवं पूर्व निदेशक (विपणन) श्री वाय. के. गवली को उनके द्वारा दिए गए योगदान के लिए आभार प्रकट करता हूँ।

मैं इस अवसर पर निदेशक मंडल के अपने सभी साथियों के प्रति उनके अनुभवी परामर्श के लिए शुक्रिया अदा करता हूँ।

मैं अपने सभी हितधारकों से भविष्य में भी निरंतर भागीदारी एवं सहयोग की अपेक्षा करता हूं ताकि जीवन स्पर्श एवं खुशियां बांटते रहने की इस विरासत को हम हमेशा संजोये रख सकें।

धन्यवाद !

स्थान : मुंबई
दिनांक : 15 सितंबर, 2017

मुकेश कुमार सुराणा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक